

# В ТЪРСЕНЕ НА ГРЪЦКИЯ ИЗТОЧНИК НА УЧИТЕЛНОТО ЕВАНГЕЛИЕ НА КОНСТАНТИН ПРЕСЛАВСКИ: СЛОВО ДЕВЕТ

ДОБРИЕЛА КОТОВА



Институт за балканистика с Център по тракология  
Българска академия на науките



Словното богатство на Учителното евангелие на Константин Преславски: старобългарско-гръцки и гръцко-старобългарски речници индекси КП-06-Н50/2

## СЛОВО 9

е тълкувателна беседа към Ев. от Матей 10:32-33, 37-38; 19:27-30, което се чете в първата неделя след Петдесетница. Обяснителната част на словото е превод от гръцки на съответния текст в катената към Евангелието от Матей, представляващ ексцерпти от беседи 34 и 35 на Йоан Хризостом.

*„Всеки, който Мене признае пред човеците, ще признае и Аз Него пред Моя Отец Небесен; а който се отрече от Мене пред човеците, и Аз ще се отрека от него пред Моя Отец Небесен. Който обича баща или майка повече от Мене, не е достоен за Мене; и който обича син или дъщеря повече от Мене, не е достоен за Мене; и който не взима кръста си, а следва подире Ми, не е достоен за Мене.“*

53b

ТОГО\* ЗАЛОУСТА-  
3 го• съказаник • а•  
евнганк • ѿ ма\* •  
Братък • глѣтъ  
6 некоторын  
прѣмоудры-  
нхъ благо мъ-  
9 нѣ законъ оу-  
стъ твоихъ па-  
че тысяща зла-  
12 та и сребра • тѣ-  
мъже обрѣтъ-  
ше сице богатъ-  
15 ство • подвигнѣ-  
мъ са отъ не-  
го • себе съкро-  
18 вице сътво-  
рити и оуслы-  
шимъ приле-  
21 жьно • то евнге-

1. снѣѣ • всаѣѣ нже
2. нсповѣсть са о
3. мнѣ •   не рече
4. нсповѣсть ме
5. не • нъ всаѣѣ
6. нже нсповѣсть
7. са о мнѣ • пока-
8. заѣа ѣако не сво-
9. юю снлюю • нъ
10. вышьнею по-
11. магаѣмъ бл̄го-
12. датью • нсповѣ-
13. даѣтъ нсповѣ-
14. даѣа • отъме-
15. цюцимъ же
16. са • не рече о мне
17. нъ мене • поу-
18. стъ бо бывъ бл̄-
19. ѣаго даѣа • тако
20. отъвѣржетъ са
21. нъ обаѣе речеть

Ѣакоже ꙗко къ оуѣ-  
нникомъ своимъ

Според М. Тихова, която търси гръцките съответствия в основния текст на Крамер, без да взима предвид допълненията в края на изданието, славянският превод започва на лист 53d, ред 1:

всаѣѣ нже нсповѣсть са о мнѣ .

След това тя смята, че има пропуснат / непреведен гръцки текст.

### Cramer, I, 80.15+25-29 /53d1-21

Πᾶς οὖν ὅστις ὁμολογήσει ἐν ἐμοὶ [...] Οὐκ εἶπε δὲ ὁμολογήσει ἐμὲ, ἀλλὰ “πᾶς οὖν ὅστις ὁμολογήσει ἐν ἐμοὶ,” δεικνὺς ὅτι οὐκ οἰκεία δυνάμει, ἀλλὰ τῇ ἄνωθεν βοηθούμενος χάριτι ὁμολογεῖ ὁ ὁμολογῶν· περὶ δὲ τοῦ ἀρνούμενου, οὐκ εἶπεν ἐν ἐμοὶ, ἀλλ’ ἐμέ· ἔρημος γὰρ γενόμενος τῆς τοῦ Θεοῦ δωρεᾶς, οὕτως ἀρνεῖται· ἀλλ’ ἴσως ἐρεῖ

Според мене думите

Ѡкоже ꙗко кꙋ оꙋченномꙋ своимꙋ снце• всакꙋ нже нсповѣсть са о мнѣ•

принадлежат на Константин и в случая не следват конкретен гръцки текст. С тях той преминава от уводната част на словото към тълкувателната (преводната).

Това изречение е напълно в хомилитичния стил на Хризостом и не е единственото място в Учителното евангелие, където може да се предполага, че Константин не само е познавал много добре съчиненията на Йоан Златоуст, но и вероятно е разполагал с тях по време на работата си:

Ѡкоже ꙗко кꙋ оꙋче-  
нномꙋ своимꙋ  
снце• всакꙋ нже  
нсповѣсть са о  
мнѣ• не рече  
нсповѣсть ме  
не• нꙋ всакꙋ  
нже нсповѣсть  
са о мнѣ•

Hom. 34 (vol. 57: 401, 48-53 Migne)

καὶ μετὰ πολλῆς ἀπειλεῖ τῆς ἐξου-  
σίας, ἐκατέρωθεν **αὐτοὺς προτρέπων** εἰς τὴν ὑπὲρ τῆς  
ἀληθείας παρῴρησιαν, καὶ **ἐπάγει λέγων**· **Πᾶς οὖν**  
**ὅστις ὁμολογήσει ἐν ἐμοὶ** ἔμπροσθεν τῶν ἀνθρώπων,  
ὁμολογήσω καὶ ἐν αὐτῷ ἔμπροσθεν τοῦ Πατρὸς  
μου τοῦ ἐν οὐρανοῖς·

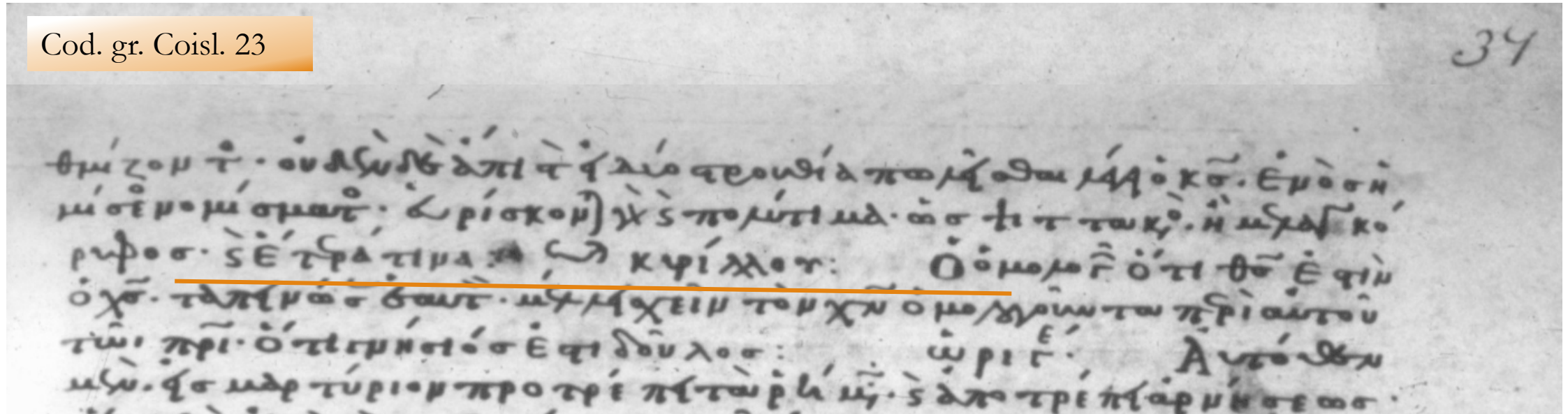
μελαγκόρυφος, καὶ ἕτερα τίνα.

32 Πᾶς οὖν ὅστις ὁμολογήσει ἐν ἐμοὶ ἔμπροσθεν τῶν  
ἀνθρώπων.

ΚΤΡΪΛΛΟΤ. Ὁ ὁμολογῶν ὅτι Θεὸς ἐστὶν ὁ Χριστὸς, ταπει-  
νώσας ἑαυτὸν, μέλλει σχεῖν τὸν Χριστὸν ὁμολογοῦντα περὶ αὐτοῦ  
τῷ Πατρὶ, ὅτι γνήσιός ἐστι δούλος.

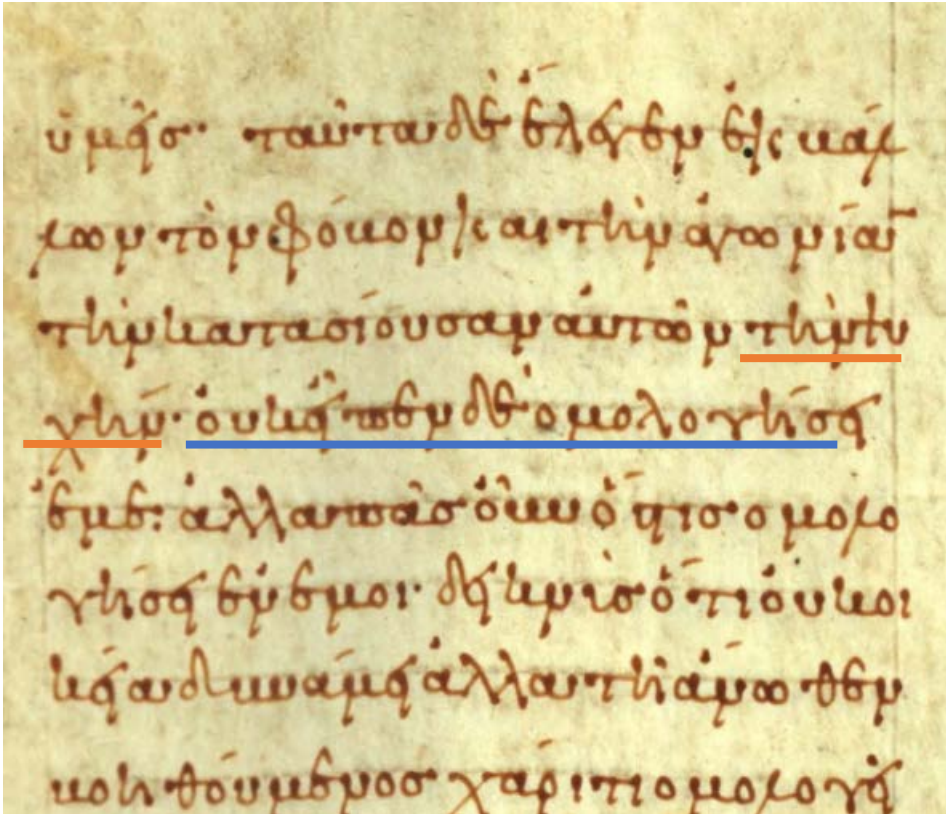
ὨΡΙΓΕΝΟΤΣ. Αὐτόθεν μὲν, εἰς μαρτύριον προτρέπει τὰ ῥήματα, 20  
καὶ ἀποτρέπει ἀρνήσεως ὅρα δὲ, εἰ μὴ τὸ πλεονέκτημα τοῦ ἐν

Цитатът от евангелския текст Πᾶς οὖν ὅστις ὁμολογήσει ἐν ἐμοὶ (началото на изречението Mat. 10: 32) е вмъкнат от самия Крамер като разделение на катенния текст и не е част от структурата на ръкописа, по който той прави изданието. Липсва и в другите ръкописи.



53c20-d1-9 Ἰακοθε Ἰς κβ ουγενηκομβ σβονημβ σηце· βσακβ ηже ηсповѣсть са о мнѣ· **не ρεγε ηсповѣсть мене· ηβ**  
βσακβ ηже ηсповѣсть са о мнѣ· ποκαζαια ἰακο θε σβοηεο σηλοιο·

Cim. 16 (2° Cod. Ms. 30) (121r), München, X v.



Текстът на това място е същият и в Cod. Gr. Paris 700, Cod. Gr. Paris 701, Cod. Gr. Paris 702, Cod. Gr. Paris 201, Cod. Gr. Paris 191 и др. – *catena prima*

τὴν κατασείουσιν αὐτῶν τὴν ψυχὴν. ἀσσάριόν ἐστιν, ὀγκίας τὸ τέταρτον.

Ἄλλος. Τὸ αὐτὸ ἐστὶν ἀσσάριον καὶ λεπτόν· νοεῖται δὲ ἑξακισχιλιοστὸν ταλάντων, ὅπερ γίνεται ἐν ἡμισυ νόμισμα. τοῦ 10 ταλάντου ἑκατὸν εἰκοσιπέντε λίτρας σταθμίζοντος· οὐδὲν δὲ ἄπιστον, εἰ δύο στρουθία πωλεῖσθαι λέγει ὁ Κύριος, ἐνὸς ἡμίσεος νομίσματος· εὐρίσκονται γὰρ δὲ πολύτιμα, ὡς ψιττακὸς, ἢ μελαγκόρυφος, καὶ ἕτερα τινά.

Ματ. 10: 32

Πᾶς οὖν ὅστις ὁμολογήσει ἐν ἐμοὶ ἔμπροσθεν τῶν 15 ἀνθρώπων.

ΚΤΡΙΛΛΟΤ. Ὁ ὁμολογῶν ὅτι Θεὸς ἐστὶν ὁ Χριστὸς, ταπεινώσας ἑαυτὸν, μέλλει σχεῖν τὸν Χριστὸν ὁμολογοῦντα περὶ αὐτοῦ τῷ Πατρὶ, ὅτι γνήσιός ἐστι δούλος.

ΩΡΙΓΕΝΟΤΣ. Αὐτόθεν μὲν, εἰς μαρτύριον προτρέπει τὰ ῥήματα, 20 καὶ ἀποτρέπει ἀρνήσεως· ὅρα δὲ, εἰ μὴ τὸ πλεονέκτημα τοῦ ἐν αὐτῷ ὁμολογοῦντος, ἢ δὴ ὄντως ἐν Χριστῷ δηλοῦται, ἐκ τοῦ, “ καὶ γὰρ ἐν αὐτῷ ” ὁμολογεῖν· τὸ δὲ κακὸν τοῦ ἀρνευμένου, ἐκ τοῦ μὴ συνῆφθαι τῇ ἀρνήσει τὸ “ ἐν ἐμοὶ ” ἢ τὸ “ ἐν αὐτῷ ”.

Τοῦ ΧΡΗΣΟΣΤΟΜΟΥ. Οὐκ εἶπε δὲ ὁμολογήσει ἐμὲ, ἀλλὰ “ πᾶς 25 “ οὖν ὅστις ὁμολογήσει ἐν ἐμοὶ, ”

δεικνὺς ὅτι οὐκ οἰκεία δυνάμει,

Cram. I, 80.6-26 (Cod. gr. Coisl. 23, 34r) = Cod. gr. Coisl. 195, 54r, X v. –

*catena integra*



**Cramer, I, 80.31- 81.2+18-19+23-29 + 32**

διὰ τί δὲ οὐκ ἀρκεῖται ὁ Θεὸς τῇ κατὰ διάνοιαν πίστει, ἀλλὰ καὶ τὴν διὰ τοῦ στόματος ὁμολογίαν ἀπαιτεῖ; εἰς παρρησίαν ἡμᾶς ἀλείφων, καὶ εἰς πλείονα ἀγάπην καὶ διάθεσιν καὶ ὑψηλοὺς ἐργαζόμενος [...] “Ὁ φιλῶν πατέρα ἢ μητέρα ὑπὲρ ἐμὲ, οὐκ ἔστι μου ἄξιος”. [...] Τουτέστιν ἕως μὲν οὐ παραβλάπτουσιν εἰς τὴν εὐσέβειαν, ὅσιον πᾶσαν αὐτοῖς ἀποδιδόναι τιμὴν. ὅταν δὲ πλέον τῆς ἀγάπης τοῦ Θεοῦ ἀπαιτοῦσιν, οὐ δεῖ πείθεσθαι· τὸ δὲ αὐτὸ “πατὴρ πρὸς υἱὸν, καὶ μήτηρ πρὸς θυγατέρα.” Τὸ δὲ, “ὅστις οὐ λαμβάνει τὸν σταυρὸν αὐτοῦ,” **καὶ τὰ ἐξῆς**, σημαίνει ὥστε εἰς πόλεμον καὶ μάχην ἐκδιδόναι τὴν ἑαυτοῦ ψυχὴν, καὶ σφαγὰς καὶ αἵματα, καὶ θάνατον βίαιον καὶ ἐπονείδιστον. [...] Ὅπερ δὲ ὁ Λουκᾶς λέγει, ὅτι “εἴ τις

54a9

ПО-

УТО ЖЕ НЕДОВЬ-  
ЛЬНЪ ЕСТЬ • БЪ  
ОУМНОЮ ВЪРОЮ  
НЪ Н ВЪРЫ ПРО-  
СНТЕ • ГЛЕМОУ ОУ-  
СТЫ • ПОКАЗАНА (!)  
НЫНѢ ДРЪЗНОВЕ-  
НИЕ • Н ВЪ БОЛЬ-  
ШЮ ЛЮБЪВЪ • Н ВЫ-  
СОКЫ ТВОРА • Лю-  
БАН ОЦА ЛН МТРЕ  
ПАУЕ МЕНЕ • НѢ-  
54b1 СТЪ МН НА ПОДО-  
БОУ • СНРЪУЪ ДОН-  
ДЕЖЕ РЕУЕ • НЕ ПРѢ-  
ВРѢДАТЬ ВЪ БЛГО-  
ВѢРНН • ПРѢПОДО-  
БНО ЕСТЬ ВСА-  
КОУ УСТЬ ВЪЗДА-  
ТН НМЪ • ЕГДА ЖЕ  
ВАЩЕ ЛЮБЪВЕ БЖН-  
НА ПРОСАТЬ • НЕ ПОДО-

БАЕЪТЪ ПОСЛОУША-  
ТН РОДНТЕЛЬ • ТО-  
ЖЕ Н ОЦЪ СЪВН Н МТН  
ДЪЩЕРН • А ІЕЖЕ НЖЕ  
НЕ НОСНТЬ КРСТА СВО-  
ІЕГО • Н ПОСЛѢДОУІЕЪТЪ  
ПО МНѢ • НѢ МН НА  
ПОДОБѢ • ІАВЛАІЕ-  
ТЬ ІАКО НА БРАНН Н  
СВАРЫ • Н НА ОУБННСТВА  
Н КРЪВН ВЪДААТН  
54c1 СВОЮ ДШѢ • НЕ ВЪ  
ПРОСТОУ БО РЕУЕ  
ПРОТНВОУ • СЪ-  
МЪРТН ПОДОБА-  
ІЕЪТЪ СА ОПЛЪУА-  
ТН • НЪ ІАКО Н НА  
СЪМЪРТЪ НОУЖЪ-  
НОУ ТЪКМО • НЪ  
Н ПОНОСЪНОУ • Н Е-  
ЖЕ Н ЛΟΥКА ГЛЪТЪ •  
Н ІАКО НЖЕ ПРНДЕ

†

†

ⲛⲓⲛⲁⲓ

Cod. Gr. Paris 701, 47r, X v., основна форма

47

οὐτω, τοιοῦτον διασώζει σώμα. ὅτι ἄμ, τὸ ἄμ αὐτως; ἔχῃ  
 βλεπόμε. οὐτω, ἐν βίῃ τοῦ πυργου, γένεσιν, βλεπόμε. τῆμ γὰρ,  
 καλεῖται, ἔρημη. ἡλιακή διαφωμίω, ἐμσιν. ἐν βίῃ τοῦ ἔρημη;  
 οὐ γὰρ, παμταχού, ομοίω, καλῶν. ἐν οὐφίλοι φησιν, οὐδὲ  
 ποτὶται μοιορ, καλαμῆσιν, ἠπομῆται. ἀλλὰ ἐν συγγένεσ; κα  
 τὰ συγγένεσ; ἐν ἡφύσις, καθεῖσται; σχισθῆσται. ὕψ; καλα  
 τῶν ἄρσ; αὐτῶν. ἐν θουγατῆρ, κατὰ τῆσ; αὐτῆσ;. ἐν μὲρ φη  
 κατὰ τῆσ; αὐτῶν. ὅτῃ ἄσ; αὐτῆσ;. ἐν ἔχθροι τοῦ ἀμῶν, οἰοίκασι  
 αὐτῶν. ἐν οὐφίλοι, πῶσ; ἡ μῶσ; ὕψ; ἔρημη; οὐδὲ τῆσ; αὐτῶν ἔξισ;  
 τῶν ἔρημ. ἔσασ; μῆρ, οὐ παρὰ μῆρ σῆσ; τῆσ; αὐτῶν. ὅτι ὅ,  
 πῶσ; αὐτῶν αὐτοῖσ; αὐτοῖσ; τῆσ; αὐτῶν. ὅτι ἄμ δὲ, πῶσ; τῆσ; αὐτῶν  
 πῶσ; τοῦ ἄμ αὐτῶν σῆσ;. οὐδὲ, πῶσ; ὅτῃ. τὸ δὲ αὐτῶν. ἐν

НѢ-  
 СТЪ МН НА ПОДО-  
 БОУ. **С**НРЪУЪ ДОН-  
 ДЕЖЕ РЕЧЕ.

Ⲙⲓⲛⲁⲓ

κατατασσεται αὐτοῦ· καὶ θύναται ἡ κατατήκοις αὐτοῦ·  
 καὶ ἔχθροὶ τοῦ ἀγίου οἱ οὐρανῶν αὐτοῦ· καὶ ὁ φημι ἡμεῖς  
 ἡμεῖς ὑπὲρ τῆς· οὐκ ἐπιγινώσκουσιν τοῦ ἐκείνου  
 μόνου παραμύθου σὴν ἡμεῖς ὑποβίβω· ὁ σὺ ἰσχυρὸς  
 αὐτοῖς ἀποδιδόμαί τιμήν· ὁ παρὰ τὸν ἄλλον τῆς ἀγά-  
 πης τοῦ θυάσματος σὴν· οὐδὲ πᾶσι θεῶσι· ἐπὶ δὲ αὐτὸ καὶ τῆς  
 ἴσως υἱοῦ καὶ μήν ἡ θύναται· τὸ δὲ τίς οὐκ ἐπιγινώσκουσιν  
 τὸν πατέρα αὐτοῦ καὶ ἰσχυροῦ ἡμεῖς ἡμεῖς οὐκ ἐπιγινώσκουσιν  
 ἄριστος σὴν καὶ ἡμεῖς· ὡς ἐπὶ τὸν ἴσως ἡμεῖς ἡμεῖς ἀποδιδόμαί  
 τῆς αὐτοῦ τυχῆς ἐς σφραγῆς ἐς αἵματα· οὐδὲν ἀποκρί-  
 σις ἀπὸ τῶν ἰσχυρῶν παρὰ τὴν ἄχθαι· ἀλλ' ὅτι προσθα-  
 ματομύθου· καὶ οὐκ ἰσχυροῦ ἡμεῖς ἡμεῖς· ἀλλὰ ἐπὶ τῶν ἡμεῖς  
ἡμεῖς· καὶ ὁ παρὰ τὸν ἰσχυροῦ ἡμεῖς ὅτι ἡμεῖς ἡμεῖς ἡμεῖς  
 καὶ οὐκ ἰσχυροῦ αὐτοῦ ἐπὶ τῶν ἡμεῖς αὐτοῦ ἐπὶ τῶν ἡμεῖς  
 οὐκ ἰσχυροῦ ἡμεῖς· ὅτι οὐκ ἰσχυροῦ ἡμεῖς ἡμεῖς ἡμεῖς  
 τοῦ πατρὸς αὐτοῦ·

ΗΒ-  
 СТЬ МН НА ПОДО-  
 БОУ· **Η** ΗΡΒΥΒ ΔΟΗ-  
 ΔΕЖЕ РЕУΕ·

ΗΒ  
 Η ΠΟΝΟΣΗΝΟΥ· **Η** Ε-  
 ΖΕ Η ΛΟΥΚΑ ΓΛΤ·



35  
 36  
 37  
 38  
 39  
 χαίραν· ἦλθον γὰρ διχασαί  
 ἀνοήκατα τὸν πρὸς ἀντὸν κ  
 ἄντα τέραισα τὰ τῆς πρὸς ἀντὴς  
 καινὴν μὲν φησὶ κατὰ τῆς πενθε  
 ρας ἀντὴς· και ἐχθροὶ τοῦ ἀνθ  
 οῖοι κταίκοι ἀντὸν· ὁ φίλων πρᾶ  
 η πρᾶν περὲ μέοντες ἐστὶν μου  
 ἄζιος· και ὁ φίλων ὑνὴ ἄντα  
 τέραισα περὲ μέοντες ἐστὶν μου  
 ἄζιος· και ὁ σὺ λαμβάνει τὸν  
στρόνον ἀντὸν και ἀκόλον θβιο  
πίσω μου ὄντες ἐστὶν μου ἄζιος·  
 ὁ ἐν ῥῶν τὴν ψυχὴν ἀντὸν ἄ

ρο 5<sup>ω</sup>  
 μο  
 μ

θαι· τοῦθ' αὐτὸ και πῆρ ἄσιν· και μετ  
 ἄσιν γατῶρα· τοῦθ' ὁ σὺ οὐ κατα  
ζῆ τὸν πρὸς αὐτὸν και ἀκόλον θβιο  
σω μου· ὁ σὺ ἀπὸ μου ἀζιοσθημαί μὲ  
 ὅσθ' ἄσιν ἀπολθμορικαι μαχασθῆδεδο  
 ραι τῆρ δαυτοσθῆρ και σφρασισι  
 αιμαται· ὁ σὺ δ' ἀπὸ μὲ ὄσθ' ἄσιν  
 προσθαίματο μὲ παρὰ τῆρ αἰχθαι· ἀλλ  
 ὅτι και προσθαίματο μὲ και οὐ  
 προσθαίματο μὲ μομ· ἀλλαι και δω μὲ  
 διπορ· και ὄσθ' ἄσιν οὐ και σλόγῃ·  
 ὅτι ἄσιν πρὸς ἄσιν προσθαίματο μὲ  
 σθ' τὸν πρὸς αὐτὸν και τῆρ μὲ αὐτὸ



Като пропуснат пасаж от катения текст М. Тихова отбелязва тълкуванията на Евсебий, Ориген, един анонимен автор и на самия Йоан Златоуст към

**Мат. 10:34-37**

Да не мислите, че дойдох да донеса мир на земята; не дойдох да донеса мир, а меч.

Защото дойдох да настроя човек против баща му, дъщеря против майка и снаха против свекърва;

и неприятели на човека *ще бъдат* домашните му.

1. СНЦЕ·\_ВСАКЪ НЖЕ  
 2. НСПОВѢСТЬ СѦ О  
 3. МНѢ· **НЕ** РЕЧЕ  
 4. НСПОВѢСТЬ МЕ  
 5. НЕ· НЪ ВЪСАКЪ  
 6. НЖЕ НСПОВѢСТЬ  
 7. СѦ О МНѢ· ПОКА-  
 8. ЗАНА ИАКО НЕ СВО-  
 9. ЮЮ СЛЮЮ· НЪ  
 10. ВЫШЬНЕЮ ПО-  
 11. МАГАЕМЪ БЛГО-  
 12. ДАТЬЮ· НСПОВѢ-  
 13. ДАЮТЬ НСПОВѢ-  
 14. ДАНА· ΟΤЪΜΕ-  
 15. ЦЮЦНМЪ ЖЕ  
 16. СѦ· НЕ РЕЧЕ Ο ΜΝΕ  
 17. НЪ ΜΕΝΕ· ΠΟΥ-  
 18. СΤЪ ΒΟ ΒΥΒЪ БН-  
 19. ИАГО ДАРА· ΤΑΚΟ  
 20. ΟΤЪΒЪРЖЕТЪ СѦ  
 21. НЪ ΟΒΔΥΕ ΡΕЧЕТЪ

НѢКТО· ΥΕСО ЖЕ  
 РАДН ΠΟΗΜΗ СѦ·  
 ΕΜΟΥ ΔѢЮТЬ· Α-  
 ЦЕ ΟΣΤΑΒΛΕΝЪ  
 ΒΥΒЪ ΟΤЪΒЪРЪ-  
 ЖЕТЪ СѦ· ΙΑΚΟ Ο-  
 ΣΤΑΒΛΕΝΥΕ· ΤѢ-  
 ΚΟΥ ΥΒΣΤЪ ΒЪΖΔΑ-  
 ΜЪ ΒΥΒΑΙΕΤЪ Ο-  
 ΣΤΑΒΛΕΝΟΜЪ· ΠΟ-  
 ΥΤΟ ЖЕ ΝΕΔΟΒЪ-  
 ΛΝЪ ΕΣΤЪ· ΕΒ  
 ΟΥΜΝΟΚ ΒѢРОЮ  
 НЪ Η ΒѢРЫ ΠΡΟ-  
 СΗΤΕ· ΓΛΕΜΟΥ ΟΥ-  
 СТЫ· ΠΟΚΑΖΑΝ(!)  
 ΝΥΝѢ ΔΡЪΖΗΝΟΒΕ-  
 ΝΗΕ· Η ΒЪ ΒΟΛЬ-  
 ШЮ ЛЮΒЪВѢ· **Η ΒΥ-**  
**СОКЫ ТВОРА·** **Лю-**  
**ΒΑΗ ΟЦΑ ΛΗ ΜΤΡΕ**  
 ΠΑΥΕ ΜΕΝΕ· ΝѢ-

СТЪ ΜΗ ΝΑ ΠΟΔΟ-  
 ΒΟΥ· **СНРѢΥЪ** ΔΟΗ-  
 ΔΕЖЕ ΡΕЧЕ· ΝΕ ΠРѢ-  
 ВРѢДАТЪ ВЪ БЛГО-  
 ВѢРΗΗ· ΠРѢΠΟΔΟ-  
 ΒΗΝΟ ΚΕΣΤЪ ВСА-  
 ΚΟΥ ΥΒΣΤЪ ΒЪΖΔΑ-  
 ΤΗ ΗΜЪ· ΚΕΓΔΑ ЖЕ  
 ΒΑЦЕ ΛЮΒЪВЕ ΕΒΗ-  
 ΗΑ ΠΡΟΣΑΤЪ· ΝΕ ΠΟΔΟ-  
 ΒΑΙΕΤЪ ΠΟΣΛΟΥША-  
 ΤΗ ΡΟΔΗΤΕΛЪ· ΤΟ-  
 ЖЕ Η ΟЦЪ СΝВΗ Η ΜΤΗ  
 ΔЪЦΕΡΗ·

σίαν ἡμᾶς ἀλείφω, καὶ εἰς πλείονα ἀγάπην καὶ διάθεσιν, καὶ ὑψηλοὺς ἐργαζόμενος.

ΚΥΡΙΑΛΟΤ. Πρὸς τοὺς ἐχθροὺς τοῦ Θεοῦ, καὶ φίλους τοῦ Σατανᾶ, οὐ δεῖ ἔχειν φιλίαν.

34 Οὐκ ἦλθον βαλεῖν εἰρήνην, ἀλλὰ μάχαιραν. 5

ΕΥΣΕΒΙΟΥ ΚΑΙΣΑΡΕΙΑΣ. Τὴν τμητικὴν εἰς τὸ διαιρεῖν τοὺς ἀξιούς τοῦ Θεοῦ ἀπὸ τῶν μὴ τοιούτων.

ΩΡΙΓΕΝΟΣ. Κατὰ μὲν τὸ αἰσθητὸν, μάχαιραν εἶπεν· οὐ τὴν φύσιν τοῦ πράγματος, ἀλλὰ τὴν προαίρεσιν τῶν ἀνθρώπων.

ΤΟΥΘ ΘΕΟΛΟΓΟΥ. Μάχαιρά ἐστίν, ἡ διαιρουσα τὸν πιστὸν καὶ τὸν ἄπιστον.

ΤΟΥΘ ΧΡΗΣΟΣΤΟΜΟΥ. Ἴνα τὸ νεοσηκὸς ἀπὸ τοῦ ὑγιαίνοντος ἀποτέμνητον, καὶ τὸ στασιάζον ἀπὸ τοῦ εἰρηνεύοντος· οὕτω καὶ ἰατρὸς λοιπὸν διασώζει σῶμα, ὅτ' ἂν τὸ ἀνιάτως ἔχον ἐκτέμῃ· οὕτω καὶ ἐπὶ τοῦ πύργου γέγονεν ἐκεῖνου· τὴν γὰρ κακὴν εἰρήνην ἢ καλὴ διαφωνία ἔλυσεν, καὶ ἐποίησεν εἰρήνην· οὐ γὰρ παντοχοῦ ὁμόνοια καλόν.

37 **Ὁ φιλῶν πατέρα ἢ μητέρα ὑπὲρ ἐμέ, οὐκ ἔστι μου ἄξιος.**

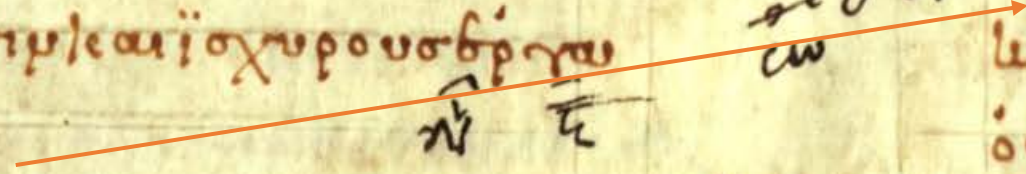
ΚΛΗΜΕΝΤΟΣ. Ὁ Λουκᾶς οὐ μόνον μὴ φιλεῖν τούτους, ἀλλὰ 20

ΤΟΥΘ ΧΡΗΣΟΣΤΟΜΟΥ. Τουτέστιν ἕως μὲν οὐ παραβλάπτουσιν εἰς τὴν εὐσέβειαν, ὅσιον πᾶσαν αὐτοῖς ἀποδιδόναι τιμὴν. ὅταν δὲ

ἀλλ' ἴσως ἐρῶ τίς· τί μοι σὸ ἰωβ  
 μὴ ἐβράχια λῆται ἄβρμα ταυλά  
 φθῆσ' ἀρμῆται· ὅτι το βρμα ταυ  
 λῆ φθῆναι παρ αὐτὸ μγίμται  
 τὸ μῆμα ταυ λῆ μπαρὸ μδρὸ μ  
 διαπιδθ' οὐκαρμῆται ὁ θῶ· τί  
 ταυ διαμοιαν πῆσ' ἀλλὰ ταυ  
 τῆ μδ διαπου ἰομα ποσομο μογι  
 ἀρ ἀπαιτῆ· ἄ παρρησῖα μλῖμασ  
 ἀλῆ φωμῖα ἄσπρῆ ομα ἀπῶπῆ  
 ταυ διαθῆσ' ταυ ἰσχυροσ ἐρῶ γα  
 ζομδρὸσ·

ἰοβ μῆρ ἰμῆρ οὐ γαρ παρταχοσ ὁ μὸ  
 μοι αὐκαλοσ· καὶ οὐ φίλοι φησὶ μὸ ἰωβ  
 πολῖται μὸ μοι ταυ λῆ μωμ φῆσ'  
 ταυ ἀλλὰ ταυ συγγῆρῆσ' ταυ ταυ συγγε  
 μῶμ· καὶ ἡ φύσισ ταυ θῆσ' ταυ σχισ  
 θῆσ' ταυ· ἰωβ ταυ τὸ ἰωβ· καὶ ἰωβ  
 γὰ τῆρ ταυ ταυ τῆσ' μδσ ταυ τῆσ'· καὶ  
 μμ φησ' ταυ ταυ τῆσ' ταυ θῆσ' ταυ ταυ τῆσ'  
 καὶ ἄθροι τὸ ἰωβ οὐ οἱ ταυ ταυ ταυ  
 καὶ ὁ φησ' μωμ πρῶτῆ μδσ ταυ ταυ τῆσ' οὐ  
 καὶ τῆρ μωμ ἀζῖσ· του τῆρ τῆσ' μδσ  
 οὐ παρ αὐκαλοσ ταυ ταυ τῆρ τῆσ' οὐ

ἰωβ  
 ἐρῶ  
 ἰωβ



αλάφασμ· ζάσολόμοι άνάπη  
 ζδάσάτιμ· ζήτηχζ βρηγασόμζ ©  
 το ουκίχλομομαλζμ ζρήρηκω  
 άλλαμάχαιραν· δηλοί· ήματο  
 ηδμοσι κάσάποτ ήμάμορ τοσ  
 άπο τήμψητ· ζτο φασιάζομα  
 ποτ ήρημδμοποσ· ουτωχδω  
 ματομ· τομώωορτήρημοωαι  
 φθήωαι· όπη ζίατροσ· ζτασ  
 λοιπομ διασώζήτο άσθμδσ  
 σώμα· όταν το άνιάτασ όχομ  
 εκτμή·

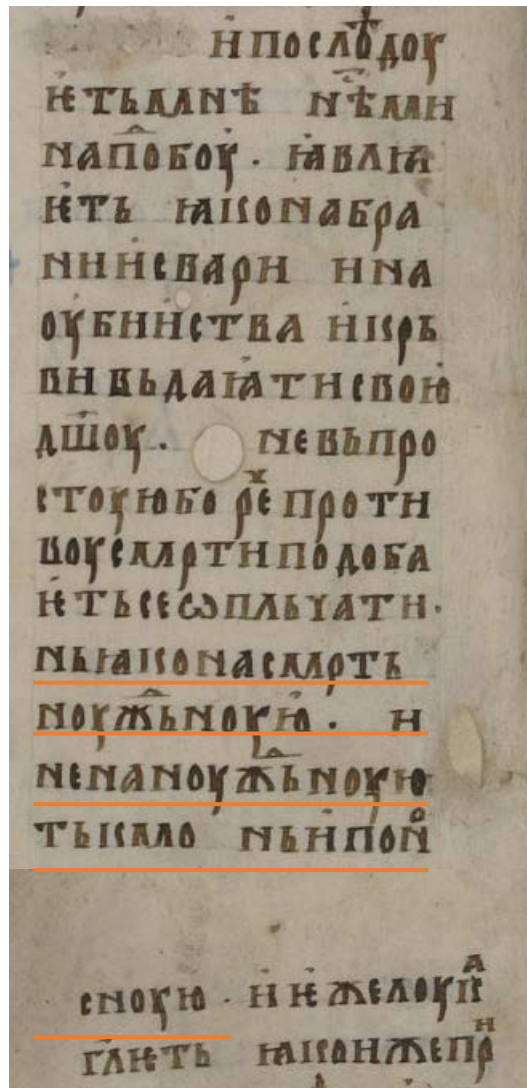
ουτασ ζτωι του πυρηουζ άμοβμ βκζ  
 μου· τήωηχ καλιφ ήρηκω· ήκα  
 λήδισαφ· ομοιάδι βλινοσ ζτωοιασν  
 ήρηρημ· ουχ παν ταχού όμομοια  
καλομ· ζουφιλοι φη· ουδκωολιτς  
 μόνομ· άμμασινωδν ήσκαταλ  
 λήλομοφήσομτς· ζήφάοισιαθθ  
 αυήσ· οχισθήσοτς· τισκτ τ πρσ  
 αυτου· ζθνατηκτ τ μρσ αυτ·  
 ζμύμφηκτ τ πνθρ άσ αυτήσ·  
 ζόχορ οι του άνουοιοιμαλιοι αυτ·  
 και οφιλομ πρ αυήμφαισιαδζ· του  
τάτιμ· εωσμεδν ουπαρ αμλ άποζ

54b15-21

А ѿже нже  
не носнтъ крѣста сво-  
его. и послѣдоуѣтъ  
по мнѣ. нѣ мн на  
подобѣ. ѿвлаетъ  
ѿко на бранн и  
свары. и на оубнства  
и крѣвн вѣдлати

54c1-9

свою дѣшѣ. не вѣ  
просту бо рече  
протнвоу. съ-  
мьрти подоба-  
ѣтъ са оплѣдѣ-  
ти. нѣ ѿко и на  
съмьрть ноужь-  
ноу тѣкмо. нѣ  
и поносѣноу.



Текст по Крамер ( същинска катена)

Cram. I, 81.26-29 (Cod. gr. Coisl. 23, 34r) = Cod. gr. Coisl.  
195, 54r, X в. – *catena integra*

Τὸ δὲ, “ὅστις οὐ λαμβάνει τὸν σταυρὸν αὐτοῦ,” καὶ τὰ ἐξῆς,  
σημαίνει ὥστε εἰς πόλεμον καὶ μάχην ἐκδιδόναι τὴν ἑαυτοῦ  
ψυχὴν, καὶ σφαγὰς καὶ αἵματα, καὶ θάνατον βίαιον καὶ  
ἐπονείδιστον.

Разночетения по Auct. T.I.4 (Cramer I, 481)

καὶ σφαγὰς καὶ αἵματα. οὐδὲ γὰρ ἀπλῶς εἶπεν πρὸς θάνατον δεῖ  
παρατέταχθαι, ἀλλ’ ὅτι καὶ πρὸς θάνατον βίαιον καὶ οὐ πρὸς  
θάνατον βίαιον μόνον, ἀλλὰ καὶ ἐπονείδιστον.

Разночетения по други ръкописи, съдържащи основната  
и разширената основна форма на катената

καὶ σφαγὰς καὶ αἵματα. οὐδὲ γὰρ ἀπλῶς εἶπεν πρὸς θάνατον δεῖ  
παρατέταχθαι, ἀλλ’ ὅτι καὶ πρὸς θάνατον βίαιον καὶ οὐ πρὸς  
βίαιον μόνον, ἀλλὰ καὶ ἐπονείδιστον.

...ερα...  
νμφηνικατατηςπενθε  
τηςκαιεχθροιστουανθ  
ραιοιαντον. ο φιλωνηρα  
νπερεμεονισεστινμου  
καιιοφιλωνηνηθυγα  
νπερεμεονισεστινμου  
καιοσουλαμβανειτον  
αντονκαιιακολονθετιο  
μονονισεστινμουαζιος  
ντηνψυχηναντονα

μ

Ζητορ...  
σομου. ουκ...  
οαδ...  
μαιτην...  
αιματων. ουκ...  
προστα...  
οτικαιπροστα...  
προσ...  
δι...  
οτι...  
σα...



54d1-21

σε ζ'βλο зако-  
нопрѣстоупись-  
но· нъ егда хо-  
цеть кѣто се-  
бе любнѣти· вѣ-  
ще мнѣ рече· вѣ-  
знѣнавнѣднѣ н  
по семоу· се во  
н любнѣмаго· са-  
мого н любѣща-  
го погубнѣти  
да не негодно  
же бодеть ро-  
днѣтелема· сн  
слышащема  
прнрече· н сво-  
ѣнѣ дѣша нже  
ненавнѣднѣти  
поуто же рече  
глѣшн мнѣ роднѣ-  
телема· н братью

Cramer, I, 81.32 - 82. 6, Cod. Gr. Coisl. 23

“Ὅπερ δὲ ὁ Λουκᾶς λέγει, ὅτι “εἴ τις “ἔρχεται πρὸς με, καὶ οὐ μισεῖ τὸν πατέρα αὐτοῦ καὶ τὴν μητέρα” καὶ τὰ ἐξῆς, οὕτω χρῆ νοεῖν· ὅτι οὐχ ἀπλῶς μισῆσαι κελεύει, ἐπεὶ τοῦτο καὶ σφόδρα παράνομον, ἀλλ’ ὅτε βούλεται πλέον ἐμοῦ τίς αὐτῶν φιλεῖσθαι, φησὶ, μίσησον αὐτὸν κατὰ τοῦτο· τοῦτο γὰρ καὶ αὐτὸν τὸν φιλούμενον καὶ τὸν φιλοῦντα ἀπόλλυσιν. ἵνα δὲ μὴ ἀγανακτῶσιν οἱ γονεῖς ταῦτα ἀκούοντες, ἐπήγαγεν· “ἔτι δὲ καὶ τὴν ἑαυτοῦ ψυχὴν.” τί γάρ, φησι, λέγεις μοι τοὺς γεγεννηκότας, καὶ ἀδελφοὺς

М. Тихова, стр. 118

54c, 1-6: не въ простог...са оплъчатн липсва в гръцки. 6-9: нъ ѡако н на сѣмъртъ...н поносъноу ≠ καὶ θάνατον...ἐπονείδιστον. 7-8: В поуждъноу н не на поуждъноу, Г поужжъноу· н не на поужжъноу, Х поужжъноу н не на нѣжъноу. 9: след поносъноу липсва ΘΕΟΔΩΡΟΥ ΗΡΑΚΛΕΙΑΣ. Ὁ μὴ ἀποτασσόμενος...μου ἄξιος. ΤΟΥ ΧΡΥΣΟΣΤΟΜΟΥ. 10: ВХ липсва н. 11: малък инициал И, заема 1,5 реда. ВГХ липсва н. 14: В ѡѣца си или, Г ѡѣца си или, Х ѡѣца си или. 54d, 7: Г липсва н. 8: В по всемоу, Г по вѣсемоу, Х по всемоу. 17-18: нже ненавнѣднѣти липсва в гръцки.

**(NB)** В допълненията Крамер не дава вариант според Auct. T.I.4. Пропуснатото обаче се открива в другите ръкописи.



Ο πρεσβυτερος και ο λουκασιανος...  
 μεση τον πρω αυτου και την ημεραν αυτην του ζητος ουνωσχη  
 μο εμ οτι ουχ απλασ μεσησαι κβλαφο εση τουτο και εφοδρα  
 τω αυμομομ αλλο τσ μου λθαι πλθουμ εμεν τις αυτων φιλεση  
 φη μεσησιν αυτον και τον τουτο τουτο κ και αυτον το μφικου  
 μθρομ και τον φιλουντα απολιωμ ιμα δε μη σθω ακτωσ  
 οι γορ εσ ταυτα σικουομ τωσ εση γγομ και την εαυτου τυχην  
 οσ ου μεση τι κ λεθσ μοι τοισ γγομ κ οτασ φη εαδθηοισ  
 και αυθα φαισ και γουαι κα τυχην ου δεμοι κ εφο προμ ου δεμι  
 αλλο μωσ εση μη και ταυτην μεσησασ ου δυνασ ε μαθη τ εμα

υ πύργου γάμο γέμει  
 καλλιφρήρη κω. ήκα  
 αδιόλινο σζωοίαν  
 χ πων ταχού ομόμοια  
 φίλοι φη. ουδ κωολιπ  
 κζωον γένεσκαταλ  
 ηπζ. ζήφωοισιαθε  
 ηισηζ. ηισκζ τπρσ  
 ατηρ κζ τμρσ ατ.  
 τπρσ θρσ αττιο.

πλτομ βμο γφιλήσθε ατομ.  
 μήσοορ ατομ κζ τούτο. τούτοχ  
 ζατομ τούμ φιλούμενον. ζτομ  
 φιλούωται απόλλοισιμ. ήναθε  
 μηάνα ακ τούοισιμοι γομ ζσ τω  
 αλιόνορ τω. τω ήγαθ. ζτ έαυ  
 ηχ ήω οσονμσθ. τήχμοι λήσθ  
 τζ ηη ηη κωότασφη. ζαδθ λφζ.  
 ζαδθ λφασ. ζημω αικω. ζτ κωα.  
 ζαηρζ. ηχ ήσ ουδ ηνοικε φότρηομ

θεῖ ὁπίσω μου ὁ υἱὸς ἀγαθὸς ἀγίος σηραῖρε ὡς  
 τῆς πολλοῦ καὶ μαχασθῆς διδόναι τὴν ῥῆσιν τοῦ  
 τυχεῖ καὶ σφραστικαῖ αἵματων· οὐδὲν ἄλλωσ ῥῆσιν  
 προσθάρατορ παρὰ ραπτάχθαι, ἀλλότι καὶ πρ  
θάρατορ μίαιον· καὶ οὐ προσμῖαιον μορον, ἀλλὰ  
καὶ εὐρεῖδιον· καὶ ὁ πρὸς ὀλουικὰ σλάφ, ὅτι ῥῆσι  
 βεχθῆαι προσμεθικαὶ οὐ μισῶ τὸ μῦθω αὐτοῦ καὶ βζήσ  
 οὐτωσ χρηροβίμ· ὅτι οὐχ ἄλλωσ μνησῆσαι κεβλάφ  
 εἰσι τοῦ τὸ καὶ σφραστικαῖ αἵματων, ἀλλότι βμοῦ λβ  
 παρὰ πολλοῦ βμοῦ τῆσ αὐτῶν φιλήσ θαι φησι μίσησιν  
 αὐτορικαπατοῦτο· τούτο γάρ καὶ αὐτὸ μῦθω φιλοῦ μθ  
 μορ καὶ τὸ μῦθω φιλοῦται ἀπὸ ἄλλωσ· ἰσαδερμὴ ἀμακτὰ  
 σιμοῖ γρ εἰσ ταῦτα ἀκούορ τὰς, εὐνηβη, καὶ τὴν ῥ  
 αὐτοῦ δὲ τυχεῖ ὁσούμσει· τίνα ῥλάφσμοι τοῖσ ἀβρημ  
 κότασ φησὶ καὶ ἀδελφοῖσ καὶ ἀδελφασ καὶ υἱασ  
 καὶ τυχεῖσ οὐδὲ μοῖ κρὸσ τρὸρ οὐδερὶ· ἀλλότι μωσθάρμη  
 καὶ τὰ τὴν μίσησιν, οὐδὲ ἀσάμου μαθητῆσ γρ αἰ

βισορομα  
 ωτικῆρ π  
 ζηται, ο  
 τι δὲ εἰρ  
 καὶ ὅσ εἰσ πο  
 μαθητῆ· ἀ  
 ἰτέλεσεν ὁ  
 διδάσκων  
 χῦ· πέμψ  
 ἰεμῖς ἀπο  
 ἀκούσ τῆσ β  
 ρίζων καὶ κ  
 μακάριστ  
 δὲ ζάμβρο  
 ἄλλο λαμια  
 καὶ ποτῆρι  
 καὶ τοῦτο

οἶον· ὡς ἐφ' ἡμῶν τοῖς μοῖσιν  
μαίη προσ αὐτὸν· ὅτι πάντες  
πάληται παρ' αὐτῶν διαλύτ  
ἡμῶν· οἱ γὰρ οὕτως διατρί-  
βόντες προσ τὸν θάνατον  
τοῦ· οὐ δύναται πόντος  
ἐν μὲν δεξιῶν ἐξουσι-  
αὶ ἐν ἡμῶν αὐτῶν τῆν  
ριπὸν δ' ἀπό τῆν πῆστιν

καὶ τὸν φιλοῦντα ἀπο-  
λιον· ἵνα δὲ μή γορα-  
λετῶσιν οἱ τοῖς κείσ' ταῦτα  
ἀμείοντες· ἀπὸ τῆν  
ἐπιπὸν ψυχῆν ὡς ὁμο-  
σῆ· τί γὰρ λυγισμοῖ  
τοῖς γ' ἐν τῆν ἰσότησιν  
σιν· ὡς ἀδελφῶν ὡς ἀδελφῶν  
θὰς ὡς ἀδελφῶν ὡς ἀδελφῶν

Благодаря за вниманието!